

नपिह वायरस

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में केरल के एक 14 वर्षीय लड़के की नपिह वायरस (Nipah Virus) से संक्रमित होने के बाद मृत्यु हो गई।

- नपिह वायरस (NiV) एक **ज़ूनोटिक** वायरस (पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाला) है और यह दूषित भोजन के माध्यम से या सीधे लोगों के बीच भी फैल सकता है।
- **प्रकृति:** नपिह वायरस इंसेफेलाइटिस के लिये उत्तरदायी जीव पैरामाइक्रोसोविरिडि श्रेणी तथा हेनपिवायरस जीनस/वंश का एक RNA अथवा **राइबोन्यूक्लिक एसिड वायरस** है तथा यह हेंड्रा वायरस से नकटता से संबंधित है।
- **संचरण:** NiV प्रारंभ में **घरेलू सुअरों, कुत्तों, बलिलियों, बकरियों, घोड़ों और भेड़ों** में देखा गया।
 - यह रोग पटरोपस जीनस के 'फ्रूट बैट' अथवा 'फ्लाइंग फॉक्स' के माध्यम से फैलता है, जो नपिह और हेंड्रा वायरस के प्राकृतिक स्रोत हैं। यह वायरस चमगादड़ के मूत्र और संभावित रूप से चमगादड़ के मल, लार व जन्म के समय निकलने वाले तरल पदार्थों में मौजूद होता है।
- **मृत्यु दर:** इसमें मृत्यु दर 40% से 75% तक होती है।
- **लक्षण:** मानव संक्रमण में बुखार, सरिदरद, मानसिक भ्रम, कोमा और संभावित मृत्यु आदि शामिल हैं।
- **नदान:** शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से रियल टाइम पॉलीमरिज़ चैन रिएक्शन (Real-Time Polymerase Chain Reaction- RT-PCR) और एंजाइम-लंकिड इम्यूनोसॉर्बेंट एसे (Enzyme-Linked Immunosorbent assay- ELISA) के माध्यम से एंटीबॉडी का पता लगाने से नदान किया जा सकता है।
- **रोकथाम:** वर्तमान में मनुष्यों और जानवरों, दोनों के लिये कोई टीका उपलब्ध नहीं है।
- **वशिव स्वास्थ्य संगठन की प्रतिक्रिया:** इसने नपिह को प्राथमिकता वाली बीमारी के रूप में पहचाना है।

अधिक पढ़ें: [नपिह वायरस संक्रमण \(NiV\)](#)